कथा सरिता

pees fieene -

एक साधु था, वह रोज़ घाट के किनारे बैठकर चिल्लाया करता था, "जो चाहोगे सो पाओगे ", "जो चाहोगे सो पाओगे"। बहुत से लोग वहाँ से गुज़रते थे पर कोई भी उसकी बात पर ध्यान नहीं देता था, और सब उसे एक पागल आदमी समझते थे। एक दिन एक युवक वहाँ से गुज़रा और उसने साधु की आवाज़ सुनी, "जो चाहोगे सो पाओगे", "जो चाहोगे सो पाओगे।

ये आवाज़ सुनते ही वह युवक उसके पास चला गया। उसने साधु से पूछा- "महाराज! आप बोल रहे थे कि "जो चाहोगे सो पाओगे", तो क्या आप मुझको वो दे सकते हो जो मैं चाहता हूँ? साधु उसकी बात को सुनकर बोला- "हाँ बेटा! तुम जो कुछ भी चाहते हो मैं उसे ज़रूर दूँगा, बस तुम्हें मेरी बात माननी होगी। लेकिन पहले ये तो बताओ कि तुम्हें आखिर चाहिए क्या"? युवक बोला -"मेरी एक ही ख्वाहिश है कि मैं हीरों का बहुत बड़ा व्यापारी बनना चाहता हूँ"। साधु बोला, "कोई बात नहीं, मैं तुम्हें एक हीरा और एक मोती दे देता हूँ, उससे तुम जितने भी हीरे-मोती बनाना चाहोगे बना पाओगे! ऐसा कहते हुए साधु ने अपना हाथ उस युवक की हथेली पर रखते हुए कहा-'पुत्र! मैं तुम्हें दुनिया का सबसे अनमोल हीरा दे रहा हूँ, लोग इसे 'समय' कहते हैं, इसे तेज़ी से अपनी मुट्ठी में पकड़ लो और इसे कभी मत गंवाना, तुम इससे जितने चाहो उतने हीरे बना सकते हो।

युवक अभी कुछ सोच ही रहा था कि साधु उसकी दूसरी हथेली पकड़ते हुए बोला, "पुत्र, इसे पकड़ो, यह दुनिया का सबसे कीमती मोती है, लोग इसे 'धैर्य' कहते हैं, जब कभी समय देने के बावजूद परिणाम अच्छा न मिले तो इस कीमती मोती को धारण कर लेना, याद रखना जिसके पास यह मोती है वह दुनिया में कुछ भी प्राप्त कर सकता है। युवक गम्भीरता से साधु की बातों पर विचार करता है और निश्चय करता है कि आज से मैं कभी भी अपना समय बर्बाद नही करूंगा व हमेशा धैर्य से काम करूंगा। ऐसा सोचकर वह हीरों के एक बहुत बड़े व्यापारी के यहाँ काम शुरू करता है और अपनी मेहनत और ईमानदारी के बल एक दिन खुद भी हीरों का बहुत बड़ा व्यापारी बनता है।

मित्रों! 'समय और धैर्य' वह दो हीरे मोती हैं जिनके बल पर हम बड़े-से-बड़ा लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। अत: ज़रूरी है कि हम अपने कीमती समय को बर्बाद न करें और अपनी मंज़िल तक पहुँचने के लिए धैर्य से काम लें।

DevegYeJe

पिकासो स्पेन में जन्में एक बहुत मशहूर चित्रकार थे। उनकी पेंटिंग दुनिया भर में करोड़ों- अरबों रुपये में बिका करती थी। एक दिन रास्ते से गुज़रते समय एक महिला की नज़र पिकासो पर पड़ी और संयोग से उस महिला ने उसे पहचान लिया। वह दौड़ी हुई उसके पास आयी और बोली- सर, मैं आपकी बहुत बड़ी फैन हूँ। आपकी पेंटिंग्स मुझे बहुत ज़्यादा पसंद हैं। क्या आप मेरे लिये भी एक पेंटिंग बना देंगे। पिकासो हँसते हुए बोले- मैं यहाँ खाली हाथ हूँ, मेरे पास कुछ नहीं है, मैं फिर कभी आपके लिए पेंटिंग बना दूंगा। लेकिन उस महिला ने जिद पकड़ ली कि मुझे अभी एक पेंटिंग बना के दो, बाद में पता नहीं आपसे मिल पाऊंगी या नहीं। पिकासो ने जेब से एक कागज़ निकाला और अपने पेन से उसपे कुछ बनाने लगे। करीब दस सेकण्ड के अन्दर पिकासो ने पेंटिंग बनायी और कहा, ये मिलियन डॉलर की पेंटिंग है! उस महिला को बड़ा अजीब लगा कि बस दस सेकेण्ड में जल्दी से एक काम चलाऊ पेंटिंग बना दी और बोल रहे हैं कि मिलियन डॉलर की पेंटिंग है। उस औरत ने वो पेंटिंग ली और बिना कुछ बोले अपने घर आ गयी। उसको लगा कि पिकासो उसको पागल बना रहा है, इसलिए वो बाज़ार गयी और उस पेंटिंग की कीमत पता की। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ कि वास्तव में वो पेंटिंग मिलियन डॉलर की थी। वो दौड़ी-दौड़ी फिर एक बार पिकासो के पास गयी और बोली- सर आपने बिल्कुल सही कहा था, ये तो मिलियन डॉलर की ही पेंटिंग है। पिकासो ने हँसते हुए कहा कि मैंने तो पहले ही कहा था। वो महिला बोली- सर आप मुझे अपनी स्टूडेंट बना लीजिये और मुझे भी पेंटिंग बनाना सीखा दीजिये। जैसे आपने दस सेकण्ड में मिलियन डॉलर की पेंटिंग बना दी वैसे मैं भी दस सेकण्ड में ना सही दस मिनट में ही अच्छी पेंटिंग बना सकूँ मुझे ऐसा बना दीजिये। पिकासो ने हँसते हुए कहा- ये जो मैंने दस सेकण्ड में यह पेंटिंग बनायी है, इसे सीखने में मुझे करीब तीस साल का समय लगा। मैंने अपने जीवन के तीस साल सीखने में दिए। तुम भी दो तो ज़रूर सीख जाओगी। वो महिला अवाक् नि:शब्द पिकासो को देखती रह गयी।

दोस्तों, जब हम दूसरों को सफल होता देखते हैं तो हमें ये सब बड़ा आसान लगता है। हमें लगता है कि ये इंसान तो बड़ी आसानी से सफल हो गया। लेकिन मेरे दोस्तों, उस एक सफलता के पीछे ना जाने कितने सालों की मेहनत छिपी हुई होती है, ये कोई नहीं देख पाता। सफलता तो बड़ी आसानी से मिल जाती है, लेकिन सफलता की तैयारी में अपना जीवन कुर्बान करना होता है। जो लोग खुद को तपाकर, संघर्ष करके अनुभव हासिल करते हैं वो कामयाब ज़रूर होते हैं, लेकिन दूसरों को देखने में लगता है कि ये कितनी आसानी से सफल हो गया। मेरे दोस्तों, परीक्षा तो केवल तीन घंटे की होती है, लेकिन उस तीन घण्टे के लिए पूरे साल तैयारी करनी पड़ती है। तो फिर आप रातों-रात सफल होने का सपना कैसे देख सकते हो? सफलता अनुभव और संघर्ष मांगती है और अगर आप देने को तैयार हैं तो आपको आगे जाने अर्थात् सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

दिल्ली-हरिनगर। गुड बाय डॉयबिटीज़ कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए श्याम शर्मा एस.डी.एम.सी.,आर. ए . टी. एन.,जनरल सेक्रेटरी बी.जे.पी, प्रो. पी. एन. शास्त्री,वाइस चांसलर,राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, ब्र. कु. शुक्ला, ब्र. कु. डॉ. श्रीमंत व अन्य।

दिल्ली-पाण्डव भवन। 'ऑल इंडिया ज्यूरिस्ट कैम्पेन' का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए एम.वी.रमेश सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्रार, सुरेश कुमार,हाई कोर्ट जज, जस्टिस वी. ईश्वरैय्या, ब्र.कु. शिवानी, कानून मंत्री पी.पी. चौधरी, ब्र.कु. बृजमोहन, सुप्रीम कोर्ट जस्टिस कुरियन जोसफ, माहेश्वरी जी, ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. लता एवं ब्र.कु. रामा कृष्णा।

फज़िल्का-पंजाब। पारिवारिक शान्ति, परमात्म अनुभूति एवं राजयोग शिविर के दौरान समूह चित्र में सभी न्यायाधीशों के साथ ब्र.कु. उषा।

सिरसा-हरियाणा। रशियन डिवाइन लाईट कल्चरल ग्रुप के सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात् मंच पर उपस्थित हैं रशिया की डायरेक्टर ब्र.कु. सन्तोष, जगदीश चोपड़ा,राजनीतिक सलाहकार,हरियाणा मुख्य मंत्री और कल्चरल ग्रुप के कलाकार।

सिवान-बिहार। चैतन्य देवियों की झाँकी का उद्घाटन करने के पश्चात् झाँकी में उपस्थित हैं बुलियन मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष लालबाबू सोनी एवं ब्र.कु. सुधा।

श्यामनगर-प.बंगाल। चैतन्य देवियों की झाँकी के उद्घाटन पश्चात् समूह चित्र में एस.के. चोपड़ा,प्रेसीडेंट,काकीनाड़ा जूट मिल्स, रविन्द्र सिंह,प्रेसीडेंट,नैहाती मोटर सिंडीकेट रूट न.85, सी.के. पोडवाल,प्रेसीडेंट,श्री अन्नपूर्णा कॉटन एंड मिल्स इंडस्ट्रीज़ लि., के.जायारमन,आई.पी.एस.,डी.आई.जी.,स्वामी विवेकानंद स्टेट पुलिस एकेडमी, ब्रह्माकुमारी बहन तथा अन्य गणमान्य जन।

ओ.आर.सी.-गुड़गांव। समाज सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित रिट्रीट में मंचासीन हैं कर्नल माम चंद,प्रेसीडेंट,सीनियर सिटिज़न एसोसिएशन, लायन आर.एन.ग्रोवर,पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. ओंकार, ब्र.कु. विजय बहन तथा ब्र.कु. सुंदरी।

भुवनेश्वर-ओडिशा। चैतन्य देवियों की झाँकी के उद्घाटन पश्चात् चित्र में फिलिपा बालिस,लेक्चरार,स्कॉटलैंड यूनिवर्सिटी,स्कॉटलैंड, मित्रभानू महापात्रा,सीनियर लॉयर,ज्वाइंट सेक्रेट्री,भुवनेश्वर बार एसोसिएशन, स्वाती सुचिस्मिता महापात्रा,सेक्रेट्री,पॉल्ली उन्नयन सेवा समिति तथा ब्र.कु. तपस्विनी।